Seat No. : _____

NQ-110-H

December-2015

B.Com., Sem.-I

CE-101A : Advanced Accounting & Auditing
(Financial Accounting-I)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : आवश्यक गणनाएँ उत्तर के भाग के रूप में दर्शाएँ ।

1. (a) सौम्या, जूही और सोनाली 4 : 5 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि के भागीदार हैं । उनकी बैलेंस शीट निम्नानुसार है : **7**

देनदारियाँ	₹	परिसम्पत्तियाँ	₹
लेनदार	50,000	नकद रोकड़	15,000
सौम्या का ऋण	30,000	स्थिर परिसम्पत्तियाँ	1,80,000
जूही का ऋण	15,000	निवेश	1,07,000
अनामत फंड	18,000		
आकस्मिक अनामत	75,000		
पूँजी :			
सौम्या	75,000		
जूही	24,000		
सोनाली	15,000		
	3,02,000		**3,02,000**

उनकी फर्म का विसर्जन हुआ और मिलकतों से निम्नानुसार प्राप्त हुए :

– प्रथम किश्त ₹ 50,000

– दूसरी किश्त ₹ 1,85,000

विसर्जन खर्च अनुमानित ₹ 10,000 माना गया था, परन्तु वास्तविक खर्च ₹ 7,500 हुआ । विसर्जन की तारीख को फर्म की एक आकस्मिक देनदारी ₹ 5,000 की थी, जो दूसरी किश्त के समय ₹ 3,500 में चुका दी गई ।

दूसरी किश्त के समय ₹ 2,500 का स्टॉक सोनाली ले गई

जिसका प्रावधान हिसाबों में नहीं हुआ था ऐसी रकम दूसरी किश्त के समय फर्म को ₹ 3,000 चुकाना पड़ा ।

'अधिकतम हानि की पद्धति' से रोकड़ का वितरण दर्शाता पत्रक तैयार कीजिए ।

अथवा

(a) रोकड़ की किश्तों में वितरण की "महत्तम हानि की पद्धति", "पूँजी आधिक्य पद्धति" से किस तरह भिन्न है ? संक्षिप्त में समझाइए तथा नीचे दिए विवरण से पूँजी आधिक्य पद्धति अपनाते हुए रोकड़ वितरण दर्शाता पत्रक तैयार कीजिए :

वेलजी, हसमुख तथा दिनेश 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ-हानि के भागीदार थे । अंतिम किश्त को चुकाए जाने के समय उनकी पूँजी क्रमश: ₹ 90,000, ₹ 75,000 तथा ₹ 40,000 थी । अंतिम किश्त ₹ 35,500 की मिलकत की बिक्री में से हासिल हुई थी । विसर्जन खर्च के लिए अनामत ₹ 7,500 में से ₹ 6,000 खर्च हुआ ।

(b) एक भागीदारी फर्म का चालू व्यवसाय 01-01-2013 से खरीदने हेतु ता. 01-04-2013 को वैदेही लिमिटेड की स्थापना की गई थी । ता. 31-12-2013 को पूर्ण होते वर्ष का निम्न विवरण से स्थापना पूर्व तथा स्थापना पश्चात की लाभ गणना कीजिए : **7**

(1) ता. 31-12-2013 को पूर्ण होते वर्ष की कुल बिक्री ₹ 12,00,000 है जिसमें से 01-01-2013 से 31-03-2013 तक की बिक्री ₹ 2,40,000 है ।

(2) ता. 31-12-2013 को पूर्ण होते वर्ष का व्यवसाय खाते का सकल लाभ ₹ 4,80,000 है । लाभ-हानि खाते से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :

	₹
किराया और कर	39,000
कर्मचारियों का वेतन	72,000
ऋणपत्रों का ब्याज	18,000
सामान्य खर्च	12,000
ऑडिट फीस	1,500
डायरेक्टर की फीस	7,500
स्थापना खर्च	6,000
बिक्री का कमीशन	24,000

अथवा

समावेशन पूर्व का लाभ से क्या तात्पर्य है ? क्या समावेशन पूर्व का लाभ शेयरधारकों को डिविडन्ड के रूप में वितरित किया जा सकता है ? आवश्यक कारणों सहित समझाइए ।

2. आशना लिमिटेड की अधिकृत पूँजी ₹ 100 का एक ऐसे 1,25,000 इक्विटी शेयरों में बँटी ₹ 1,25,00,000 की है । कंपनी ने 40% पूँजी सामान्य जनता के लिए 20% प्रीमियम पर जारी की । **14**

प्रति शेयर देय रकम निम्न प्रकार थी :

आवेदन के साथ	₹ 20
स्वीकृति के साथ	₹ 40 (प्रीमियम सहित)
पहली किश्त के साथ	₹ 30
दूसरी किश्त के साथ	₹ 30

शेयरों का आबंटन निम्नानुसार किया गया :

पूर्ण स्वीकृत किया	25,000 शेयर
आवेदन का 2/3 भाग शेयर वितरण	20,000 शेयर
आवेदन का 1/4 भाग शेयर वितरण	5,000 शेयर
	50,000 शेयर

5,000 से अधिक आवेदित शेयरों को अस्वीकृत कर उन्हें रकम वापस लौटाई । आवेदन के साथ आया हुआ अधिक रुपया स्वीकृति तथा किश्त में जमा किया गया ।

प्रवीण जिसे पूर्ण स्वीकृत हुए शेयरों के आधार पर 1,000 शेयर आबंटित हुए, उसके द्वारा पहली किश्त की रकम स्वीकृति के समय ही चुकायी गई थी । इसके पश्चात उसके द्वारा कंपनी को कुछ भी नहीं चुकाया गया ।

कविता जिसे शेयर आवेदन का 2/3 भाग शेयर आबंटन के तौर पर 800 शेयरों का वितरण किया गया था, वह स्वीकृति पर तथा पहली किश्त की रकम भरने में असफल हुई और उसके शेयर पहली किश्त बाद जब्त कर लिए गए ।

दूसरी किश्त की राशि मंगाने के बाद कंपनी द्वारा प्रवीण के सभी शेयर जब्त किए गए । जब्ती के पश्चात प्रवीण के 50% तथा कविता के 70% शेयर कंपनी द्वारा ₹ 8 की दर से पूर्ण भरपाई की गई तारीख को फिर से जारी किए तथा उस पर रकम प्राप्त की ।

आशना लिमिटेड की बही में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए ।

अथवा

(a) मि. आमीर द्वारा उसके 300 शेयरों पर प्रति शेयर ₹ 5, ₹ 2 प्रीमियम सहित नहीं चुकाया गया है । कम्पनी के द्वारा उसके सभी शेयर जब्त किए गए । श्रीमान शाहरूख द्वारा उसके 600 शेयरों पर ₹ 3 नहीं चुकाए गए । कंपनी ने ये शेयर जरूरी नोटिस देने के बाद जब्त कराये । दोनों के शेयरों की मूल कीमत ₹ 10 थी । जब्ती बाद कम्पनी के द्वारा आमीर के कुल शेयरों में से 70% और शाहरूख के कुल शेयरों में से 50% शेयर श्रीमान गंगू तेली को ₹ 7 के भाव से पूर्ण भरपाई तारीख को दे दिए । कंपनी की बही में जब्ती की आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए तथा कंपनी की बही में शेयर जब्ती खाता भी तैयार कीजिए । **7**

(b) बाबाजी लिमिटेड की खाता-बही में शेयर जब्ती खाता निम्नानुसार है : **4**

Dr. **शेयर जब्ती खाता** **Cr.**

विवरण	₹	विवरण	₹
शेयर पूँजी खाते में	1,400	शेयर पूँजी खाता	8,400
पूँजी रिजर्व खाते में	700		
शेष आगे ले जाया गया	6,300		
	8,400		**8,400**

शेयर की मूल कीमत ₹ 100 थी तथा ₹ 40 प्रति शेयर भरपाई नहीं हुआ था । इसलिए शेयर जब्त किये गए थे और उनमें से कुछ फिर से जारी किए गए थे ।

इस विवरण के आधार पर शेयर जब्ती के संबंध में और जब्त हुये शेयर बाहर जारी करने के विषय में कम्पनी की बही में आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए । **4**

(c) निम्न पर टिप्पणी लिखिए : (कोई **एक**) **3**

(1) स्वेट इक्विटी शेयर से संबंधित कम्पनी अधिनियम के प्रावधान

(2) भावी इक्विटी शेयर

(3) अपने स्वयं के शेयर वापस खरीदने से संबंधित कम्पनी अधिनियम के प्रावधान

3. प्रेफरेंस शेयर वापस करने की कम्पनी अधिनियम की धारा-80 के प्रावधानों के अन्तर्गत विस्तार से चर्चा कीजिए । हिरेन लिमिटेड की नीचे दी गई जानकारी के आधार पर उनकी लेखा-बही में जरूरी जर्नल प्रविष्टि कीजिए :

हिरेन लिमिटेड उसके 50,000, 12% के रीडिमेबल प्रेफरेंस शेयर्स प्रत्येक ₹ 10 का 10% प्रीमियम पर वापस लेना चाहती है । इसके पहले हिरेन लिमिटेड के कुछ खातों की बाकी निम्नानुसार है :

	₹
रोकड़ तथा बैंक शेष	10,000
लाभ-हानि खाता	3,00,000
सामान्य अनामत	4,50,000
निवेश	20,000

हिरेन लिमिटेड द्वारा ऊपर दर्शाए निवेशों को बिक्री कीमत पर 1/3 लाभ मिलना है, इस तरह बेचा गया । कंपनी की प्रेफरेंस शेयर वापसी के बाद अंतिम रोकड़ और बैंक की बाकी ₹ 50,000 रखी जाएगी । कंपनी द्वारा जरूरी संख्या में इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10 का ₹ 15 के भाव से आम लोगों में जारी किया गया । कंपनी ने अपने जारी किए सभी शेयरों पर पूरी रकम प्राप्त कर ली है । **14**

अथवा

(a) श्री सचिन लिमिटेड की ता. 30 जून 2013 की शेष निम्नानुसार हैं :

	₹
10,000 इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10 का ₹ 8 भरपाई किया	80,000
सामान्य अनामत	20,000
पूँजी वापसी अनामत	80,000
प्रतिभूति प्रीमियम	10,000
स्थिर मिलकतों के पुन:मूल्यांकन से उद्‌भवित लाभ	10,000

कंपनी की वार्षिक साधारण सभा में निश्चित प्रस्ताव के अनुसार अनामतों की बकाया राशि से अपूर्ण भरपाई शेयर को पूर्ण भरपाई किया जाना है ।

शेयर को पूर्ण भरपाई किए जाने के बाद कंपनी द्वारा जरूरी संख्या में इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10 का, ₹ 12 के भाव से बाहर जारी किया जाता है । जिससे कि कंपनी अपने एक इक्विटी शेयर पूर्ण भरपाई शेयर के समक्ष एक पूर्ण भरपाई हुआ शेयर बोनस शेयर की तरह दे सके । कंपनी की खाता-बही में आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए । **7**

(b) हर्षे कंपनी की बैलेंस शीट के अनुसार कम्पनी के पास 80,000 इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10 का और 6% ऋणपत्र ₹ 2,40,000 का है । कंपनी की वार्षिक साधारण सभा में निश्चित हुए अनुसार कंपनी 10% कर मुक्त डिविडन्ड रोकड़े से चुकाएगी । (कटौती की दर 20%) कंपनी ऋणपत्र 3% प्रीमियम पर वापस करती है । दिए गये लेन-देन पर से जर्नल प्रविष्टि लिखिए । **4**

(c) बोनस शेयर क्या है ? बोनस वितरण के कोई भी तीन स्रोत लिखिए । **3**

4. देवल लिमि. का 31-03-2013 का कच्चा-चिट्ठा नीचे दर्शाए अनुसार है : **14**

विवरण	उधार बाकी	जमा बाकी
इक्विटी शेयर पूँजी	–	1,20,000
10% प्रेफरेंस शेयर पूँजी	–	80,000
सामान्य अनामत	–	40,000
ऋणपत्र वापसी निधि	–	20,000
प्रतिभूति प्रीमियम	–	6,000
लाभ-हानि खाता (1-4-2012)	–	10,000
10% के ऋणपत्र	–	40,000
ऋणपत्र पर बटाव	2,000	–
12% सार्वजनिक जमा	–	20,000
प्रोविडेण्ट फंड तथा प्रो. फं. में योगदान	2,000	10,000
नहीं माँग किया डिविडन्ड	–	1,600
ऋणपत्रों पर चढ़ा किन्तु न चुकाए जाने योग्य ब्याज	–	1,000
ऋणपत्र पर ब्याज	4,000	–
स्थिर मिलकत	3,10,000	–
स्थिर मिलकत के ऊपर घसारा निधि	–	1,10,000
स्टॉक (1-4-2012)	1,10,000	–
निवेश	98,000	–
देनदार तथा लेनदार	2,28,400	60,000
रोकड़ तथा बैंक	2,000	2,800
हुंडियाँ	41,200	45,000
खरीद और बिक्री	14,90,000	17,98,000
वापसी	20,000	16,000
सार्वजनिक जमा पर ब्याज	1,200	–
आवक माल परिवहन भाड़ा	28,800	–
किराया, कर तथा बीमा	6,000	–
लेखन-सामग्री पोस्टेज	3,000	–
विज्ञापन	2,000	–
अशोध्य ऋण तथा अशोध्य ऋण अनामत	800	4,000
प्राथमिक खर्चा	2,000	–
वेतन और अदत्त वेतन	36,000	3,000
कुल	**23,87,400**	**23,87,400**

निम्न विवरण ध्यान में रखते हुए कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुसार कम्पनी का वार्षिक हिसाब तैयार कीजिए ।

(1) कंपनी की भरपाई पूँजी अधिकृत पूँजी का 50% है । प्रत्येक शेयर की दार्शनिक कीमत ₹ 100 है ।

(2) अन्तिम स्टॉक का मूल्य ₹ 1,32,100 है, जिसमें ₹ 1,000 का स्टेशनरी स्टॉक शामिल है ।

(3) स्थिर मिलकतों का विवरण निम्नानुसार है :

विवरण	**ता. 31-3-2012 तक की लागत**	**घसारा**	**घसारा दर**
मकान	50,000	20,000	10%
मशीनरी	2,00,000	60,000	25%
वाहन	40,000	20,000	20%
फर्नीचर	20,000	10,000	10%

कंपनी द्वारा घटती जाती बाकी की पद्धति से घसारा की गणना की जाती है ।

(4) निवेशों का विवरण निम्नानुसार है :

- 10% ऋणपत्र वापसी अनामत निधि निवेश (1-4-2012) ₹ 20,000
- 8% की सेन्ट्रल गवर्नमेंट की लोन (दार्शनिक कीमत ₹ 40,000 ता. 1-10-2012 को खरीदा) ₹ 38,000
- केयूर लिमि. के 800 इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 100 का ₹ 50 प्रति शेयर भरपाई ₹ 40,000.

(5) नहीं दर्ज किया उधार विक्रय ₹ 2,000 का था । ₹ 400 अशोध्य ऋण डूबत खाते में लिया जाना है और देनदारों पर अशोध्य ऋण अनामत 2% रखने का है ।

(6) 10% प्राथमिक खर्च डूबत किया जाना है ।

(7) डायरेक्टर द्वारा निम्नानुसार हिस्सेदारी निर्देशित की गई है :

- सामान्य अनामत खाते ₹ 20,000
- ऋणपत्र वापसी निधि खाते ₹ 10,000
- इक्विटी शेयर पर डिविडंड 15%

अथवा

(a) हार्डी लिमि. के ट्रायल बैलेंस में से ता. 31-3-2013 को निम्न बाकियाँ ली गई हैं : **7**

खाते का नाम	**उधार बाकी (₹)**	**जमा बाकी (₹)**
आयकर का प्रावधान (1-4-2012)	–	17,000
पूर्व से चुकाया गया आयकर (1-4-2012)	12,000	–
पूर्व से चुकाया गया आयकर (चालू वर्ष में चुकाया)	18,000	–
स्रोत से कटा हुआ आयकर	800	1,200
लाभ-हानि खाता (1-4-2012)	–	24,000

वर्ष 2011-12 का ऐसेसमेंट चालू वर्ष में पूर्ण हुआ तथा आयकर की देनदारी ₹ 19,000 निर्धारित हुई । चालू वर्ष में कंपनी का लाभ ₹ 42,000 है । चालू वर्ष के कुल लाभ में से 50% आयकर के प्रावधान में रखा जाना है ।

ऊपर की जानकारी से आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ लिखिए तथा कम्पनी की अन्तिम बैलेंस-शीट पर उसके प्रभाव दर्शाइएँ :

(b) नीचे दिए गए ता. 31-3-13 ट्रायल बैलेंस की बाकियों तथा समायोजनों को ध्यान में रखकर कंपनी के वार्षिक हिसाबों में उसके असर दर्शाइए : **4**

	₹
बिक्री (बिक्री कर सहित)	12,44,000
चुकाया बिक्री कर	44,000
अदत्त बिक्री कर	16,000
देनदारी	4,50,000

समायोजन : बिक्री आँकड़ों में विक्रय अथवा वापसी पर प्रेषित माल का समावेश होता है । यह माल बिक्री कीमत पर 20% लाभ चढ़ा कर भेजा गया है । ता. 31-03-2013 को ग्राहकों ने सूचित किया कि 4/5 भाग माल रख लिया है और उसकी लागत कीमत ₹ 40,000 है ।

(c) अवास्तविक मिलकत और संशयित देनदारी प्रत्येक के तीन उदाहरण दीजिए । **3**

5. नीचे दिए गए प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के एक से अधिक उत्तर दिए गए हैं, जिनमें से सही जवाब चयन कर आवश्यक गणना के साथ तथा व्याख्या के साथ लिखिए : (कोई भी **सात**) **14**

(1) प्रतिभूति प्रीमियम निम्न में से किसमें उपयोग नहीं किया जा सकता है ?

(a) बोनस शेयर जारी करने

(b) प्राथमिक खर्च को अपलिखित करने

(c) प्रेफरेंस शेयर परत करने

(d) वटाव पर जारी शेयर को अपलिखित करने

(2) राम लिमि. की अभिदत्त शेयर पूँजी ₹ 80,00,000, प्रत्येक ₹ 100 का एक है । अंतिम किश्त की माँग पर कोई किश्त बाकी नहीं थी । यदि अंतिम किश्त 77,500 शेयरों पर माँग पर चुकाई गई हो और यदि नहीं चुकायी गई किश्त की रकम ₹ 62,500 हो, तो अंतिम किश्त की प्रति शेयर रकम कितनी थी ?

(a) ₹ 25 (b) ₹ 7.80

(c) ₹ 20 (d) ₹ 62.5

(3) पिन्कुश लिमि. की जानकारी इस प्रकार है :

मंगवाई इक्विटी शेयर पूँजी ₹ 5,00,000, पहले से प्राप्त किश्त ₹ 25,000, नहीं मिली किश्त की रकम ₹ 40,000, प्रस्तावित डिविडंड 15% हो, तो चुकाये जाने योग्य डिविडंड कितना होगा ?

(a) ₹ 75,000 (b) ₹ 72,750

(c) ₹ 71,250 (d) ₹ 69,000

(4) अभिषेक लि. की अधिकृत पूँजी क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर तथा इक्विटी शेयर से बनी है । प्रत्येक 5% के क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर की मूल कीमत ₹ 100 है तथा प्रत्येक इक्विटी शेयर की मूल कीमत ₹ 10 है । वर्ष 2011-12 और 2012-13 के अंत में क्यूमुलेटिव प्रेफरेंस शेयर पूँजी शेष ₹ 2,00,000 तथा इक्विटी शेयर पूँजी शेष ₹ 5,00,000 हो और यदि जाहिर किया डिविडंड क्रमश: ₹ 8,000 तथा ₹ 15,000, वर्ष 2011-12 तथा 2012-13 में हो, तो वर्ष 2012-13 में कंपनी द्वारा इक्विटी शेयरधारकों को चुकाए डिविडंड की रकम क्या होगी ?

(a) ₹ 3,000 (b) ₹ 5,000
(c) ₹ 10,000 (d) ₹ 12,000

(5) सेबी के निर्देशानुसार शेयर जारी करने के समय आवेदन की राशि किससे कम नहीं होनी चाहिए ?

(a) शेयर की दार्शनिक कीमत का 2.5% से
(b) शेयर की जारी कीमत का 2.5% से
(c) शेयर की दार्शनिक कीमत का 25% से
(d) शेयर की जारी कीमत का 25% से

(6)

विवरण	उधार	जमा
6% ऋणपत्र खाता	–	3,00,000
ऋणपत्र ब्याज खाता	6,000	–

"ऋणपत्र बाकी ब्याज खाते" में कौन सी रकम बैलेंस-शीट में दर्शायी जाती है ?

(a) ₹ 6,000 (b) ₹ 12,000
(c) ₹ 18,000 (d) ₹ 24,000

(7) कंपनी का औसत स्टॉक ₹ 8,000, आरंभिक स्टॉक ₹ 6,000, शुद्ध खरीदी ₹ 2,00,000 और यदि कंपनी बिक्री पर 20% लाभ लेती है, तो बिक्री की रकम कितनी होगी ?

(a) ₹ 2,35,200 (b) ₹ 2,45,000
(c) ₹ 1,96,000 (d) ₹ 2,50,000

(8) कंपनी द्वारा एक स्थिर मिलकत ता. 01-04-2010 को खरीदी गई । कंपनी 15% की दर से घटती जाती बकाया पद्धति के अनुसार घसारा अपलिखित करती है । ता. 31-03-2013 को घसारा बाद की कीमत ₹ 12,28,250 हो, तो मिलकत की मूल कीमत कितनी होगी ?

(a) ₹ 25,00,000 (b) ₹ 22,00,000
(c) ₹ 20,00,000 (d) ₹ 19,50,000

(9) उमंग कंपनी की बही में देनदार खाते की आरंभिक बाकी ₹ 25,000 थी । वर्ष के दरम्यान उधार बिक्री ₹ 5,50,000, वर्ष दरम्यान देनदारों के पास से वसूली रकम ₹ 2,50,000 थी । यदि अशोध्य ऋण की दर 5% हो, तो अशोध्य ऋण की रकम कितनी होगी ?

(a) ₹ 16,250 (b) ₹ 25,000
(c) ₹ 12,500 (d) ₹ 15,250

———————